



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 253]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 13, 1986/कार्तिक 22, 1908

No. 253] NEW DELHI, THURSDAY NOVEMBER 13, 1986/KARTIKA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1986

सार्वजनिक सूचना सं. 1 पी.आर.एन.पी./86-काइस सं. 2/2/85-
एम.यू.सी.—अप्रैल, 1985 मार्च, 1988 के लिए आयात और निर्यात नीति
के परिशिष्ट-5 भाग ख के पैरा 6 के अनुसार, भारत सरकार का सूचना
और प्रसारण मंत्रालय साइसेसिंग वर्षे अप्रैल, 1986-मार्च, 1987
और अप्रैल, 1987-मार्च, 1988 के लिए अखबारी कागज आर्बंटन
नीति को एनयूआर अधिसूचित करता है। यह भी अधिसूचित किया जाता
है कि वर्ष 1985-86 के लिए अब तक किए गए तदर्थ आर्बंटन को
सार्वजनिक सूचना संख्या 1-पी.आर.एन.पी./84, दिनांक 21 जुलाई,
1984 के द्वारा अधिसूचित वर्ष 1984-85 के लिए अखबारी कागज
आर्बंटन नीति के अनुसार किया गया समझा जावेगा।

केसर सिंह वैद्यवान, संयुक्त सचिव

अखबारी कागज आर्बंटन नीति, 1986-88

1. लागू होगा

यह नीति, ऐसे संशोधनों जो समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं,
के अधीन रहते हुए, साइसेसिंग वर्ष 1986-87 और 1987-88 के
दौरान अखबारी कागज के आर्बंटन पर लागू है जिस पर आयात और
निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947, आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955
और अखबारी कागज नियंत्रण अधिनियम, 1962 (समय-समय पर यथा
संशोधित) लागू हैं।

2. परिभाषा:

इस नीति में, समय-समय पर यथा संशोधित प्रिंट और पुस्तक पंजी-
करण अधिनियम, 1867 में यथा परिभाषित "समाचार पत्र का अर्थ"
ऐसी कोई भी मुद्रित निरन्तरालिकृतता होगी जिसमें सार्वजनिक समाचार
या सार्वजनिक समाचारों पर टिप्पणियाँ छपती हैं।

3. पाठ्यता:

3.1 अखबारी कागज का आर्बंटन उन समाचारपत्रों को किया
जाएगा जो प्रिंट और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के संगत
उपबन्धों के अनुसार भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में
पंजीकृत हैं।

3.2 कोई समाचार पत्र अखबारी कागज के आर्बंटन के लिए तब
पात्र होगा जब दैनिक समाचार पत्र के मामले में उसकी नियमितता
90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66 2/3 प्रतिशत होगी,
सिवाय उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरावट प्रकाशक के नियंत्रण
से परे के कारणों से अर्थात् हड़ताल, लाजावन्वी, काम धीरे करना, बिजली
की कमी या इसी प्रकार के कारणों से घाई हो।

3.3 भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारी कागज का
आर्बंटन निम्नलिखित के लिए भी प्राधिकृत किया जा सकता है:—

- (1) समाचार पत्रियों द्वारा टेलीप्रिंटों पर समाचारों का प्रेषण;
- (2) समाचार पत्रों द्वारा मूद्रण परीक्षण;

(3) शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कम मूल्य वाली पुस्तकों का मुद्रण; और

(4) कालेजों और स्कूलों की पत्रिकाओं का मुद्रण।

3.4 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियाँ, चाहे ये भारत के समाचार पत्रों की पंजीयक के कार्यालय में समाचार पत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अन्तर्गत अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए पात्र नहीं होगी:—

- (1) वस्तुओं अथवा सेवाओं का मुख्य रूप से विक्रय को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पत्रिकाएँ;
- (2) उपक्रमों/कर्मों/औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली परेनू पत्रिकाएँ/मैगजीन;
- (3) मूल्य सूचियाँ, सूचीपत्र, निर्देशिकाएँ तथा लाटरी समाचार;
- (4) दौड़ गाइडें, और
- (5) सैक्स मैगजीन।

4. हकदारी:

4.1 किसी मौजूदा समाचार पत्र की लाइसेंसिंग अवधि 1986-87 या 1987-88, जैसे भी स्थिति हो, के लिए अखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण पिछले वर्ष की उसकी औसत प्रसार संख्या, औसत पृष्ठ संख्या, औसत प्रकाशित पृष्ठ क्षेत्र तथा प्रकाशन दिवसों की संख्या के आधार पर किया जाएगा।

4.2 समाचार पत्र के सभी संस्करणों (अर्थात् जिनका वही नाम हो, वही आवधिकता हो, उसी भाषा में प्रकाशित होते हों और उनका स्वामी वही हो) चाहे उसी स्थान से या विभिन्न स्थानों से प्रकाशित होते हों, को एक समाचार पत्र माना जाएगा और उसकी हकदारी का हिसाब सभी संस्करणों के निष्पादन ब्यौरे के आधार पर लगाया जाएगा।

4.3 जिस समाचार पत्र/आवधिक पत्र द्वारा बताई गई प्रसार संख्या को भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा "असिद्ध ठूँपा" घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसकी प्रसार संख्या "पुनः सिद्ध" न हो जाए। उस समाचार पत्र/आवधिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यह पाया जाता है कि उसने अपने निष्पादन के बारे में झूठा विवरण दिया है और/या उसके द्वारा बताई गई प्रसार संख्या को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा कम धाँका गया है उसे विनिष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, के लिए अखबारी कागज के आर्वांटन से वंचित किया जा सकेगा।

4.4 जो नया आवेदन प्रथम बार प्रकाशन शुरू करता है या अथवा प्रथम बार भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए आवेदन करता है, उसको प्रथम बार महीने के लिए अखबारी कागज के उतने प्रारंभिक कोटे की अनुमति दी जाएगी जितना आवेदन द्वारा बताई गई प्रसार संख्या से संतुष्ट होने पर भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित किया जाए किन्तु वह दैनिक समाचार पत्रों के मामले में आठ मानक पृष्ठों 2450 वर्ग से. मी. के प्रति अंक की 10,000 (दस हजार) प्रतियों और आवधिक पत्रों के मामले में सोलह मानक पृष्ठों से अधिक नहीं होगा। अखबारी कागज का प्रारंभिक कोटा प्राप्त करने वाले समाचार पत्र द्वारा प्रकाशन के तीन महीने के बाद एक पखवाड़े के अन्दर आर्वांटित अखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रमाण फार्म एन.पी. 2 में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उसके बाद शेष वर्ष के लिए उसकी हकदारी का निर्धारण वास्तविक निष्पादन के आधार पर किया जाएगा तथा बाकी कोटा, यदि कोई हो, औपचारिक रूप से आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने पर रिलीज किया जाएगा।

4.5 नया आवेदन अपने आवेदन पत्र के प्राप्त होने के महीने से आठवारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा।

4.6 समाचार पत्र की प्रसार संख्या का निर्धारण (क) बिन्ती प्रतियों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतियों की संख्या, बिना बिक्री लोटाई गई या मुद्रित किन्तु न तो बिक्री और न ही निःशुल्क वितरित की गई प्रतियों की संख्या को हिसाब में लेकर किया जाएगा, बशर्ते कि ये संबंधित मुद्रण आवेदन की निम्नलिखित प्रतिशतता न बढ़े:—

प्रसार संख्या	दैनिक/त्रि और साप्ताहिक द्वि-साप्ताहिक और पाशक		
	दैनिक/त्रि और द्वि-साप्ताहिक	साप्ताहिक	पाशक
5,000 तक	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत	20 प्रतिशत
5,001 से 10,000 तक	10 प्रतिशत	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत
10,000 से अधिक	5 प्रतिशत	5 प्रतिशत	10 प्रतिशत

4.7 मूल हकदारी निकालने में भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक, जैसा वे प्रत्येक मामले में उचित समझें और सामान्य औसत खपत पर विश्वास करके निम्नलिखित की उपेक्षा कर सकते हैं:—

(1) प्रसार संख्या में प्रसाधारण अल्पकालिक गिरावट, जो विशेष परिस्थितियों, जिनमें हड़ताल/तालाबन्दी या इसी प्रकार के अन्य कारण शामिल हैं, से हुई हों; और

(2) प्रतियोगी समाचार पत्रों के बन्द होने/उनके कार्य में व्यवधान हो जाने या किन्हीं अन्य प्रसाधारण परिस्थितियों से प्रसार संख्या में प्रसाधारण वृद्धि।

4.8 यदि किसी समाचार पत्र ने किसी पिछले वर्ष में अपने को आर्वांटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है तो अप्रयुक्त मात्रा को यथा स्थिति वर्ष 1986-87 या 1987-88 के लिए उसकी हकदारी में से काट लिया जाएगा।

4.9 समाचार पत्रों को छीजन की प्रतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा:—

(1) सभी समाचारपत्रों के लिए 5 प्रतिशत

(2) बहुरंगी मुद्रण के मामले में आवधिक पत्रों के लिए 7 प्रतिशत

4.10 आर्वांटित अखबारी कागज और स्वदेशी कागज के लिए समाचार पत्रों की हकदारी 50 ग्राम प्रति वर्ग मीटर के आधार पर निकाली जाएगी।

5. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया:

5.1 अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए पत्र प्रकाशक द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा विधिवत प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा फार्म एन.पी. 1 और एन.पी. 2 में दिए जाने चाहिए और वे भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक, प्लेट ब्लाक-8, बंग मं. 2 रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली को संबोधित किए जाने चाहिए।

5.2 अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए आवेदन पत्रों के साथ फार्म एन.पी. में पिछले वर्ष का निष्पादन ब्यौरा प्रमाण पत्र भेजा जाना चाहिए। जिस समाचार पत्र को औसत प्रसार संख्या प्रति प्रकाशन दिवस 2,000 प्रतियों से अधिक है, उसका निष्पादन ब्यौरा प्रमाण-पत्र सटीक लेखाकार से प्रमाणित होना चाहिए।

5.3 नए समाचार पत्रों द्वारा प्रारंभिक कोटे के लिए आवेदन पत्र (उक्त पैरा 4.4 के द्वारा) फार्म एन.पी. 1 में दिया जाना चाहिए और उसके साथ फार्म एन.पी. 3 भेजा जाना चाहिए।

6. आवेदन पत्रों के प्राप्त होने की अंतिम तारीख:

6.1 वर्ष 1986-87 के लिए अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए आवेदन-पत्रों के प्राप्त होने की अंतिम तारीख 31 दिसम्बर, 1986 है।

6.2 वर्ष 1987-88 के लिए अखबारी कागज के आर्वांटन के लिए आवेदन-पत्रों के प्राप्त होने की अंतिम तारीख अलग से अधिसूचित की जाएगी।

7. अखबारी कागज का आर्बंटन :

7.1 अखबारी कागज, स्टैंडर्ड और ग्लेज्ड, का आर्बंटन साधारणतः रीलों में किया जाएगा। गोट फेड मशीन पर मुद्रित होने वाले समाचार पत्र ही अती तृतीय केवल गोटों में प्राप्त करेंगे। यदि गोटें उपलब्ध नहीं हैं तो वह प्रमाण देने पर कि मुद्रण वास्तव में रीलों में ही हुआ है, रीलों को गोटों में बदलने के लिए हकदारी में 5 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

7.2 300 मीट्रिक टन से कम की हकदारी वाले समाचार पत्रों को स्वदेशी या आयातित अखबारी कागज को कई बार में या एक बार में लेने का विकल्प होगा।

7.3 जिस समाचार पत्र की हकदारी 300 मीट्रिक टन से अधिक है, उसके लिए अखबारी कागज का आर्बंटन निम्नानुसार होगा :—

आयातित	35 प्रतिशत
मंसूर पेपर मिलजलि.	18 प्रतिशत
हिन्दुस्तान म्यूजप्रिंट मिल्स लि. (केरल)	17 प्रतिशत
तमिलनाडु म्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लि.	16 प्रतिशत
नैशनल म्यूजप्रिंट एंड पर लि. (नेपा)	14 प्रतिशत

आयातित अखबारी कागज की हकदारी का कम से कम 25 प्रतिशत अखबारी कागज राज्य व्यापार निगम के बफर स्टॉक से उठाया जाना चाहिए।

7.4 उन अतिरिक्त पत्रों को, जिनका प्रकाशन नियमित रूप से होता रहा है, अपनी हकदारी ग्लेज्ड अखबारी कागज में लेने की अनुमति दी जा सकती है, बगैर कि वह उपलब्ध हो।

7.5 उस नए आवेदक को, जो पहली बार प्रकाशन आरम्भ कर रहा है या अथवा भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के पास पहली बार अखबारी कागज के लिए आवेदन करता है, उसका आवेदन पत्र प्राप्त होने के मास से पहले बारह मास के लिए केवल स्वदेशी अखबारी कागज ही आर्बंटित किया जाएगा। अने की हकदारी को केवल तब ही रिलीज किया जाएगा जब इस बात का प्रमाण दे दिया जाएगा कि स्वदेशी अखबारी कागज का रिलीज किया गया कोटा संबंधित समाचार पत्र द्वारा वास्तव में उठा लिया गया है और उसे प्रयुक्त कर लिया गया है।

7.6 ऐसे कारणों से यथा अखबारी कागज की उपलब्धता, बफर स्टॉक के होने या अन्य किसी कारण से विभिन्न स्रोतों से आर्बंटन में संशोधन/परिवर्तन किया जा सकता है।

7.7 यदि राज्य व्यापार निगम को "सैटर्स ग्राफ क्रेडिट" के प्राप्त होने के 120 दिन के भीतर पोल लयान कार्यान्वित नहीं हो जाता तो अनुपातिक मात्रा को हार्ड सी सेल के आधार पर बफर स्टॉक से आर्बंटित करने का प्रयत्न किया जाएगा जिसकी भाव में प्रतिपूर्ति की जाएगी।

8. वितरण :

8.1 आयातित अखबारी कागज के वितरण संबंधी कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा उस प्रकार से किया जाएगा, जिस प्रकार इस नीति के अनुसार तथा अखबारी कागज नियंत्रण अधिनियम, 1962 के उपबन्धों के अनुपालन में भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा।

8.2 जिस समाचार पत्र को हार्ड सी सेल आधार पर आर्बंटित किया जाता है उसे सीधे या अपने विधिवत् प्राधिकृत एजेंटों की माफ़ी डिजिटली लेने की अनुमति होगी।

8.3 जो समाचार पत्र अपनी हकदारी बहुत कम होने से इस व्यवस्था से कवर न होने के कारण हार्ड सी सेल आर्बंटनों की गणों को पूरा नहीं करता, वह अपनी हकदारी को दूसरे समाचार पत्रों की हकदारी के साथ मिला सकता है और अपने विधिवत् प्राधिकृत एजेंटों के माध्यम से हार्ड सी सेल पर अखबारी कागज ले सकता है।

8.4 स्वदेशी अखबारी कागज की हकदारी के लिए प्राधिकार पत्र भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा नौवें संशोधन विनियमों को निराहो आधार पर जारी किए जाएंगे, यदि किसी समाचार पत्र को अधिक आवश्यकता 50 मीट्रिक टन या इसके कम है तो भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक अपने विवेक से इन प्रकार के समाचार पत्रों को वार्षिक आधार पर या जैसा भी अपना उपयुक्त समझा जाए, अखबारी कागज का आर्बंटन कर सकता है।

8.5 समाचार पत्र को अपना आर्बंटन हार्ड सी सेल अथवा बफर स्टॉक अथवा स्वदेशी स्रोतों से प्राधिकार पत्र के जारी होने की तारीख से 3 माह के भीतर उठाना होगा। यदि कोई समाचार पत्र स्वदेशी अखबारी कागज का कोटा नहीं उठा पाता तो वह उतनी मात्रा तक आयातित अखबारी कागज के बारे में अपनी हकदारी से वंचित हो जाएगा।

8.6 यदि यह पाया जाए कि किसी समाचार पत्र में उस स्वदेशी अखबारी कागज, जो उसे आर्बंटित है, के उठाने के बारे में झूठा प्रमाण पत्र दिया है तो उसे भविष्य में आयातित अखबारी कागज के और आर्बंटन से वंचित किया जा सकेगा।

9. बकाया मात्रा :

9.1 जिन समाचार पत्रों को भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा 1982-83 से उन्हें आर्बंटित अखबारी कागज की पूरी मात्रा नहीं दी जा चुकी है, वे एक बारगी उपाय के रूप में बकाया मात्रा के स्वदेशी अखबारी कागज में आर्बंटन के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। बकाया मात्रा का आर्बंटन भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा चरणबद्ध ढंग से 1986-87 से 3 वर्ष की अवधि के अन्दर स्वदेशी अखबारी कागज की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए किया जाएगा, जिन मामलों में अर्बंटित मात्रा 50 मीट्रिक टन या कम है, उनमें भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक अपने विवेक से उतनी मात्रा को एक बार में उठाने के लिए प्राधिकृत कर सकते हैं। यदि कोई समाचार पत्र आर्बंटित अखबारी कागज को किसी भी अवस्था पर निरंतरित मात्रा पोंसा के अंदर नहीं उठा पाता तो वह बकाया अखबारी कागज की जोर मात्रा के लिए अपने दावे से वंचित हो जाएगा।

9.2 अखबारी कागज की बकाया मात्रा के आर्बंटन के लिए आवेदन पत्र सभी संगत व्यौरा देने हुए निम्न में भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को 31 जनवरी, 1987 तक भेज दिए जाने चाहिये।

10. एक समाचार पत्र के लिए आर्बंटित अखबारी कागज का दूसरे समाचार पत्र के लिए उपयोग करना।

कोई समाचार पत्र दूसरे समाचार पत्र की आर्बंटित अखबारी कागज का उपयोग नहीं करेगा चाहे संबंधित समाचार पत्रों का वही स्वामित्व हो या उनकी हार्ड सी सेल के आधार पर आयातित अखबारी कागज प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए अपनी हकदारी मिला लेने की अनुमति दे दी गई हो।

11. प्राप्त के संबंध में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना :

11.1 जिस समाचार पत्र को अखबारी कागज का आर्बंटन दिया जाता है, वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को फॉर्म एन.पी. 2 में वर्ष 1986-87 का निष्पादन व्यौरा तथा पत्र 30-6-1987 तक

प्रस्तुत करेगा जो यदि प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो सनदी लेखाकार से विधिवत् प्रमाणित होता चाहिए। वर्ष 1987-88 के लिए निष्पादन ब्योरा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की अन्तिम तारीख अलग से अधिसूक्ति की जाएगी।

11.2 जिस समाचार पत्र का प्रकाशन निलम्बित या बन्द हो जाता है, वह प्रकाशन के निलम्बन/बन्द होने से एक महीने के भीतर कार्य एन.पी. 2 में निष्पादन ब्योरा प्रमाण पत्र भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त अख्त्यारी कागज भी भारत के समाचार पत्र के पंजीयक के निर्देशों के अनुसार वापस करेगा।

12. अपवाद

इन नीति में किसी बात के होते हुए भी भारत सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय अशुद्ध और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छोड़ सकता है या इनमें से किसी भी उपबंध में छील दे सकता है।

13. कार्य :

अख्त्यारी कागज के आर्बटन के लिए पावेदा वर कार्य के साथ निम्नलिखित मेलन होने चाहिए --

1. कार्य एन.पी. -1

(1) भाग-1

(आवेदन पत्र कार्य)

(2) भाग-1

(आरक्षक सेवा)

2. कार्य एन.पी.-2

(प्रकाशन संख्या 2000 प्रतियों से अधिक होने की दिशा में निष्पादन ब्योरा प्रमाण पत्र सनदी लेखाकार से विधिवत् प्रमाणित होना चाहिए)।

3. कार्य एन.पी.-3

(नए आवेदकों के लिए)

4. समाचार पत्र को अलग-अलग तारीखों की कुछ प्रतियां, कार्य एन.पी.-1 एन.पी.-2 और एन.पी.-3 के तुरंत वजन है।

कार्य—1

एन.पी.-1

अख्त्यारी कागज के आर्बटन के लिए समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए आवेदन पत्र का कार्य

भाग—1

1. आवेदक का नाम
2. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम, आवधिकता तथा भाषा
3. डाक का पूरा पता
4. (क) दिनांक जब से समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र/नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है,
(ख) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा दी गई पंजीकरण संख्या;
(ग) जिला मजिस्ट्रेट के यहाँ नवीनतम घोषणा दाखिल किए जाने की तारीख।
5. सम्बन्धित का प्रकार अर्थात् सार्वजनिक/निजी स्वामित्व आदि तथा निदेशकों/भागीदारों आदि के नाम।
6. 12 महीने के लिए अपेक्षित अख्त्यारी कागज की मात्रा/मूल्य
7. (क) क्रमबद्ध वितरण अपेक्षाएं।
(ख) प्राधिकृत-एजेंट का नाम।
8. समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों का नाम तथा अन्य विवरण जो आवेदन के स्वामित्व में है।

समाचारपत्र का नाम	भाषा तथा नियतकालिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या सरकार द्वारा अख्त्यारी कागज मिलता है
1	2	3	4

9. नए समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के प्रति प्रकाशन दिवस के प्रसार आदि का विवरण।
- (क) प्रस्तावित प्रकाशन की तिथि
- (ख) छपने के लिए प्रस्तावित प्रतियों की औसत संख्या
- (ग) औसत पृष्ठ संख्या
- (घ) समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के एक पृष्ठ का औसत क्षेत्र (वर्ग से.मी.)
- (ङ) प्रकाशन दिवसों की संख्या
10. अखबारी कागज का विवरण (ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड/निपा की आवश्यकता का असंग-असंग उल्लेख कीजिए)

मद संख्या साम्रा मीट्रिक टनों में

औत मूल्य (सी.आई.एफ.)
(रुपयों में)

वर्ष 1985-86 की अवधि में की गई खपत।

1986-87 के लिए आवश्यकता

11. पिछला लाइसेंसिंग वर्ष जिसमें भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय से अखबारी कागज लिया गया था।
12. (क) मशीन की किस्म (प्रयात् रोटरी/फ्लैटबैड) लेटरप्रेस।
- (ख) अपेक्षित रीलों/शीटों का आकार।

घोषणा

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही है। मैं हम यह भली-भांति समझता हूँ/समझते हैं कि मुझे/हमें जो भी आबंटन प्रस्तुत विवरण के आधार पर स्वीकृत होगा, यदि यह सिद्ध हो जाता है कि दिए गए विवरण गलत या असत्य हैं, तो वह किसी अन्य जुमाने के प्रलाभा, जो सरकार लगा सकती है अथवा अन्य कोई कार्यवाही, जो की जा सकती है मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रख कर रद्द करने योग्य है।

2. मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि अगर अखबारी कागज का आबंटन किया जाता है तो वह केवल हमारे ऊपर दिए गए पते के प्रेस/अहता संस्थान में प्रयुक्त होगा।

3. मैं/हम यह अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि सारणी बद्ध की गई मध (दो) का आबंटन सारणी-बद्ध एजेंसी के जरिए आयात व्यापार नियंत्रण विनियम के अन्तर्गत किया जाता है और जिन शर्तों पर माल की निकासी उपयोग के लिए दी जाती है ऐसी वस्तुओं के किसी वुशुपयोग करने के उल्लंघन पर आयात तथा निर्यात (केन्द्रीय) अधिनियम 1947, यथा संशोधित तथा उसके अन्तर्गत निर्गम आदेश की व्यवसायों की ओर प्राकृष्ट होगा।

4. मैंने/हमने आयात नीति/आयात निर्यात प्रक्रिया की 1985-88 की हस्त-मुस्तिका के प्रासंगिक उपबंधों को नोट कर लिया है।

हस्ताक्षर

नाम स्पष्ट अक्षरों में

पद का नाम

निवास स्थान का पता

भाग—2

आयकर घोषणा

(घ) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय कर योग्य नहीं है। मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं, कि मैं/हम किसी भी आयकर एवं अधिम कर देने के उत्तरदायी नहीं हूँ/हैं क्योंकि मेरी/हमारी आय, चालू लेखा वर्ष एवं गत बार लेखा वर्षों में उस उच्चतम सीमा से कम रही है जिस पर आयकर नहीं लगता।

(ब) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय आयकर योग्य है। मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि —

- (1) मैंने/हमने अपनी आय तक की आय से अपनी/हमारी देय राशि का व्यौरा/व्यौरे आयकर विभाग को दे दिया है।
- (2) मैंने/हमने उन्हें कर भागों को छोड़कर जो सख्त प्राधिकारी द्वारा स्थगित कर दिए गए हैं, के अतिरिक्त शेष सभी करों सहित अधिम कर जो हम पर आयकर अधिनियम के अन्तर्गत देय थे उनका भुगतान कर दिया है।
- (3) मैं/हम आयकर/सम्पत्तिकर छिपाने के आरोप में गत तीन कलेण्डर वर्षों के दौरान व्यक्ति* सिद्ध बोध घोषित नहीं किया गया/किए गए हैं।
- (4) मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त घोषणा उन कंपनियों जिनमें मेरे/हमारे प्रचुर हित** निहित हैं/या उन व्यक्तियों की फर्मों/एसोसिएशन जिसका मैं/हम कबला भागीदार या सदस्य हूँ/हैं, में भी लागू होते हैं।

या

उपरोक्त घोषणा उन व्यक्तियों के लिए भी लागू होती है जो कि धारकेवक कम्पनी में या धारकेवक एसोसिएशन के सदस्यों या धारकेवक फर्म के भागीदार में प्रचुर हित** रखते हैं।

स्वान

हस्ताक्षर

दिनांक

पता

स्वाई जाता में

निर्धारण करने वाले आयकर अधिकारी

का पद

निर्धारण योग्य

*यदि जुमनि की लेबी के बिना कोई अपील की गई है और अपील आयकर सहायक आयुक्त, या आयकर अपील अधिकरण में रुकी पड़ी है तो ऐसी सजा (पेनल्टी) इस घोषणा के लिए नहीं ली जानी चाहिए।

**“प्रचुर हित” शब्दों का बड़ा अर्थ है जो कि आयकर अधिनियम, 1961, सेक्शन 40 (ए) (2) में स्पष्ट है।

1-4-85 से 31-3-86 तक की अवधि के लिए प्रसार यादि सम्बन्धी निम्नान विवरण प्रमाण-पत्र का फार्म

ए. व. पी.-2

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम

3. भाषा

2. प्रकाशन का स्थान

4. आवधिकता (पीरियोडिसिटी)

मास के दौरान

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	वर्ष का औसत
85	85	85	85	85	85	85	85	85	86	86	86	

1. मास के अनुसार वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या
2. प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या
3. प्रति प्रकाशन दिवस बेची गई प्रतियों की औसत संख्या।
4. प्रति प्रकाशन दिवस मुक्त वितरित (मानार्थ वाउचर, विनिमय, बोनस, नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या।
5. अनधिकी वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो (3) और (4) में शामिल नहीं की गई।
6. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का औसत आकार (वर्ग से.मी. में)
7. प्रति शंक पृष्ठों की औसत संख्या
8. प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित पृष्ठों की औसत संख्या।
9. वर्ष के दौरान प्रसवारी कागज की कुल खपत (टनों में)।
10. वर्ष 1985-86 के दौरान सफेद प्रिंटिंग कागज की कुल खपत (टनों में)

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	वर्ष का
85	85	85	85	85	85	85	85	85	86	86	88	प्रोत्त

11. आयात संबंधित (आई. ई. पी. लाइसेंस) योजना के अंतर्गत हासिल की गई अखबारी कागज की खपत और 1985-86 के दौरान खपत ।

प्रकाशक के हस्ताक्षर

प्रकाशक का नाम

दिनांक

सनदी लेखापाल का प्रमाणपत्र

मैंने/हमने वर्ष 1985-86 के दौरान प्रकाशित सभी (पत्र का नाम, भाग और आवृत्ति) के पुस्तक और लेखा की जांच कर ली है और अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से वर्ष 1985-86 के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा पुस्तकों के अनुसार प्रस्तुत विवरण में प्रचार संख्या, पृष्ठ की संख्या, प्रकार और प्रकाशित दिवसों की संख्या की विवेचना करता है।

दिनांक

हस्ताक्षर

सनदी लेखापाल की मुहर

1. उस व्यक्ति का नाम एवं पद जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
2. पंजीकरण संख्या
3. पता

नोट : 1. यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या 2,000 प्रतिदिन प्रति प्रकाशन दिवस में अधिक हो तो प्रमाणपत्र सनदी लेखापाल के नामांकन-पत्र पर टाईप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत प्रतीतिहस्ताक्षरित होने चाहिए।

2. सभी औसत मास के अनुसार संबंधी मास के दौरान निष्पादन के तथ्यों के आधार पर दिए जाने हैं।

3. (7) में दिए जाने वाले शीर्षकों, मास के दौरान प्रकाशित सभी शीर्षकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (8) में दिए जाने वाले शीर्षकों का हिसाब इस प्रकार होगा :—एक शीर्षक के पृष्ठों की संख्या को उसके शीर्षक के कुल प्रकाशित प्रतिदियों की संख्या से गुणा करने से-तत्संबंधी प्रकाशन दिवस की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल आएगी। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या का जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

नए दैनिक नियतकालिक पत्रों के प्रकाशकों द्वारा दिया जाने वाला विवरण :—

1. समाचार पत्र/पत्रिका का नाम

(क) नाम

(ख) भाषा

(ग) प्राधिकारिता

2. अन्तिम घोषणा देने की तारीख
3. प्रकाशन आरम्भ करने की प्रस्तावित तारीख
4. मुद्रण हेतु प्रतियों की प्रौढत प्रस्तावित संख्या
 - (क) विक्री हेतु प्रतियों की संख्या
 - (ख) मृपत वितरण हेतु प्रतियों की संख्या
5. प्रकाशन का स्थान और मुद्रणालय का ध्यौरा
 - (क) मुद्रणालय के मालिक का विवरण

नाम :

पता :

(ख) छपाई क क्षमता

छपाई/मुद्राक्षर/-विस्थाप यंत्र (कम्पोजिंग मशीन) काविक, माडल प्रति घंटा की गति और वर्णों की संख्या तथा विभिन्न वर्णों की संख्या मशीन कब की गयी हुई है।

6. क्या अनुसूचित बैंक के नमूने के फर्म में बैंक की प्रत्याभूति (गारंटी) दी गई है।
7. यदि हां तो बैंक का नाम और प्रत्याभूति (गारंटी) की रकम लिखें।
8. क्या अख्तियारी कागज अधिकर्ता (एजेंट) द्वारा उठाया जाएगा।
9. यदि हां तो एजेंट का नाम लिखें।
10. अख्तियारी कागज को उठाने की शर्त किशतों में है या थोक में/बफर स्टॉक/हाई सी सेल्स में।
11. सम्पादक का नाम।

घोषणा

मैं/हम हम बात की घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त तथ्य मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और ठीक हैं।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

नाम स्पष्ट अक्षरों में

पद

निवास स्थान का पता

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 13th November, 1986

PUBLIC NOTICE NO. 1-PR-NP/86

File No. 2/2/85-MUC.—In terms of para 6 of Appendix 5 Part B to the Import and Export Policy for April 1985—March 1988 the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint Allocation Policy for the licensing years April 1986—March 1987 and April 1987—March, 1988. It is further notified that the ad hoc allocation hitherto made for the years 1985-86 shall be deemed to have been made in terms of the Newsprint Allocation Policy for the year 1984-85 notified vide Public Notice No. 1-PR-NP/84 dated 21st July, 1984.

K. S. BAIDWAN, Jt. Secy.

NEWSPRINT ALLOCATION POLICY 1986—88

1. Applicability :

This policy is applicable to the allocation of newsprint to which the Import and Export (Control) Act 1947, Imports (Control) Order, 1955 and Newsprint Control Order, 1962, as amended from time to time, apply during the licensing years 1986-87 and 1987-88, subject to such modifications as may be notified from time to time.

2. Definition :

In this policy a "newspaper shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news" as defined in the Press and Registration of Books Act, 1867 as amended from time to time.

3. Eligibility :

3.1 Newsprint shall be allocated to such newspapers as are registered with Registrar of Newspapers for India in accordance with the relevant provisions of Press and Registration of Books Act, 1867.

3.2 A newspaper shall be eligible for allocation of newsprint if it has a regularity of 90 per cent in case it is a daily newspaper and 66-2/3 per cent in case it has any other periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz. strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

3.3 Allocation of newsprint may also be authorised by the Registrar of Newspaper for India for the following :—

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;
- (ii) Trial printing by newspapers;
- (iii) Printing of low-priced books for promotion of education; and
- (iv) Printing of college and school magazines.

3.4 The following categories of publications although these may be registered with Registrar of Newspapers for India as newspapers shall not be eligible for allocation of newsprint under this Policy :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists, catalogues, directories and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex Magazines;

4. Entitlement :

4.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing period 1986-87 or 1987-88 as the case may be, of an existing newspaper will be determined on the basis of its average circulation, average number of pages, average page area published and the number of publishing days of the preceding year.

4.2 All the editions of a newspaper (i.e. bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner) whether published from the same place or from different places would be treated as one newspaper and its entitlement will be calculated on the basis of the performance particulars in respect of all the editions taken together.

4.3 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared as "unestablished" by Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless its circulation has been 're-established'. In case of a newspaper/periodical which is found to have given a false statement about its performance and/or in respect of which circulation has been assessed by Registrar of Newspaper for India to be lower than its claimed circulation, it shall render itself liable for being debarred from allocation of newsprint for a specified period, which may extend upto one year.

4.4 A fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches the Registrar of Newspaper for India for the first time for allocation of newsprint will be allowed an initial quota of newsprint for the first four months as determined by the Registrar of Newspaper for India upon his satisfaction of the projection of circulation by the applicant, subject to a maximum of 10,000 (ten thousand) copies per issue of eight standard pages (2450 Sq. Cms.) in the case of dailies and of sixteen standard pages in the case of periodicals. Such a newspapers as receives an initial quota of newsprint should produce within a fortnight after three months of publication, evidence of proper utilisation of the newsprint allocated to it, in form NP-2. Thereafter, its entitlement for the rest of the year will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any shall be released on submission of a formal application.

4.5 A fresh applicant will be entitled to get newsprint from the month of receipt of its application.

4.6 The circulation of a newspaper will be determined taking into account (a) the number of copies sold, and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free, provided these do not exceed the following percentage of the respective print order;

Circulation	Dailies/ tri & bi- Weeklies	Weeklies and fort- nightlies	Others
Upto 5,000	10%	15%	20%
From 5,001 to 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

4.7 In working out the basic entitlement, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore :

- (i) abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances including strikes/lockouts or other similar reasons; and
- (ii) abnormal short-term increase in circulation attendant upon the closure/disruption of working of competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

4.8 If a newspaper had not utilised any portion of newsprint allotted to it in any previous year, the unutilised quantity will be deducted from its entitlement for 1986-87 or 1987-88, as the case may be.

4.9 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation :—

- (i) for all newspapers 5%
- (ii) for periodicals in the case of multi-coloured printing. 7%

4.10 The entitlement of a newspaper for imported newsprint as also for indigenous newsprint will be worked out on the basis of 50g.m.

5. Procedure for submission of application :

5.1 Applications for allocation of newsprint should be made by the publisher or a person duly authorised by him in this behalf in Forms NP-1 and NP-2 and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-8, Wing No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110066.

5.2 Applications for allocation of newsprint should be accompanied by a Performance Particulars Certificate for the preceding year in Form NP-2. In the case of a newspaper whose average circulation exceeds 2,000 copies per publishing day its Performance Particulars Certificate should be certified by a Chartered Accountant.

5.3 Applications for initial quota by newspapers (vide para 4.4 above) should be made in Form NP-1 and should be accompanied by Form NP-3.

6. Last date for receipt of applications :

6.1 The last date for receipt of application for allocation of newsprint for the year 1986-87 is 31st December, 1986.

6.2 The last date for receipt of applications for allocation of newsprint for the year 1987-88 will be notified separately.

7. Allotment of newsprint :

7.1 Allotment of newsprint—standard and glazed will generally be made in reels. A newspaper printed on sheet-fed machine will, however, receive its entitlement only in sheets. In case, sheets are not available, the entitlement will be raised by 5 per cent for conversion of reels into sheets on giving proof that printing is actually carried out only in sheets.

7.2 A newspaper with an entitlement of less than 300 tonnes will have the option to obtain indigenous or imported newsprint either in part or in full.

7.3 The allocation of newsprint for a newspaper whose entitlement is above 300 M.T. will be as follows :—

Imported	35%
Mysore Paper Mills Ltd.	18%
Hindustan Newsprint Mill Ltd. (Kerala)	17%
Tamil Nadu Newsprint & Papers Ltd.	16%
National Newsprint & Paper Ltd. (NEPA)	14%

At least 25% of the import entitlement should be lifted from State Trading Corporation's buffer stock.

7.4 Periodicals which have been in regular publication may be allowed to obtain their entitlement in glazed newsprint subject to availability.

7.5 In case of a fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches Registrar of Newspapers for India for newsprint for the first time only indigenously produced newsprint will be allocated to it for the first twelve months from the month of receipt of application. Further entitlement will be released only after proof is adduced that the quota released in indigenous newsprint has actually been lifted and consumed by the newspaper concerned.

7.6 The allotment from different sources may be revised/varied for such reasons as the availability of newsprint, maintenance of buffer stock or any other reason.

7.7 If a shipment is not affected within 120 days of receipt of letters of Credit by State Trading Corporation, efforts will be made to allot proportionate tonnage from the buffer stock on high sea sales basis which will be later replenished.

8. Distribution :

8.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with this Policy and in compliance with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962.

8.2 A newspaper which is given allotment on high sea sales basis will be allowed to take delivery directly or through its duly authorised agent(s).

8.3 A newspaper which does not fulfil the condition of high sea sales allocations because of its individual entitlement being too small to be covered by that arrangement can club its entitlement with those of other newspapers and get newsprint on high sea sales basis through its duly authorised agent(s).

8.4 Authorisation for entitlement of indigenous newsprint will be issued by the RNI direct to the Mills concerned on a quarterly basis. In case the annual requirement of a newspaper is 50 M.T. or less, the RNI may in his discretion allocate newsprint to such newspapers on an annual basis or as otherwise deemed appropriate.

8.5 A newspaper shall lift its allotment from high sea sales or buffer stock or from indigenous sources within three months from the date of issue of the authorisation. If a newspaper fails to lift its quota of indigenous newsprint, it will to that extent forfeit its entitlement in respect of the imported newsprint.

8.6 If a newspaper is found to have given a false certificate about the lifting of indigenous newsprint allocated to it, it shall be liable to be debarred from getting any further allocation of imported newsprint.

9. Backlog :

9.1 The newspapers which could not be serviced the full quantity of newsprint allocated to them by RNI from 1982-83 onwards shall be, as a one time measure, eligible to apply for allocation of unserved quantity in indigenous variety. The allocation of unserved newsprint shall be made by RNI in a phased manner over a period of three years commencing from 1986-87 depending on availability of indigenous newsprint. In cases where the quantity involved is 50 M.T. or less, the RNI in his discretion may authorise the

lifting to the entire quantity in one instalment. In the event a newspaper fails to lift, within the prescribed time, the allocated newsprint at any stage, it will forfeit its claim to the remaining quantity of unserved newsprint.

9.2 The applications for allocation of unserved quantity of newsprint should be made in writing giving all relevant details to Registrar of Newspapers for India latest by 31st January, 1987.

10. Use of newsprint allocated to one newspaper for another newspaper :

One newspaper shall not make use of the newsprint allocated to another newspaper even though the newspapers concerned have the same ownership or have been allowed to club their entitlement for the purpose of obtaining imported newsprint on high sea sales basis.

11. Submission of certificates regarding consumption :

11.1 A newspaper which is allotted newsprint shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate for 1986-87 in Form NP-2 not later than 30th June, 1987 duly certified by a Chartered Accountant if the circulation is over 2,000 copies per publishing day. The last date by which the Performance Particulars Certificate for 1987-88 shall be required to be furnished will be notified separately.

11.2 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspaper for India a Performance Particulars Certificate in Form NP-2 within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the Registrar of Newspaper for India.

12. Exceptions :

Notwithstanding anything contained in this policy the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these provision for good and sufficient reasons.

13. Forms :

Application form for newsprint allocation should be accompanied by the following.

- | | | |
|---|---|--|
| I | From NP-I | |
| | (i) Part-I | (AWWlication fWrm) |
| | (ii) Part-II | (IncoWo Tax Deolaration) |
| II | Form NP-2 | (PerfWrmance certifi ate duly certified by charter accountant where cir ulation is more than 2000 copies). |
| III | Form NP-3 | (for fresh applicants) |
| IV | A few copies of the newspaper of different dates. | |
| A SPECIMEN FORMS NP-I, NP-2, and NP-3 ARE ATTACHED. | | |

FORM I

NP-1

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO NEWSPAPERS/PERIODICALS

PART I

1. Name of the applicant
2. Name of the Newspaper/periodicals and language & periodicity.
3. Full Postal Address
4. (a) Date from which newspaper/periodical is regularly published
(b) Registration Number as given by Registrar of Newspapers for India.
(c) Date of filing the latest declaration with District Magistrate.
5. Nature of concern i.e. Public/Private/Proprietorship etc. and name of Directors/Partners etc.
6. Quantity/Value of newsprint required for 12 months.
7. (a) Phased delivery requirement.
(b) Name of the agent authorized.
8. Name and other particulars of newspaper/periodicals owned by the applicant.

Title of the paper	Language & periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Govt.
1	2	3	4

9. Particulars of circulation etc. per publishing day for the new newspaper/periodicals :

- (a) Date of proposed publication :
- (b) Average number of copies proposed to be printed :
- (c) Average number of pages :
- (d) Average area of one page of newspaper/periodical (in sq. cms)
- (e) Number of Publishing days :

10. Particulars of newsprint (Specify glazed/unglazed/None separately)

Item No.	Qty. in mts.	Source	Value (CIF) in Rs.
----------	--------------	--------	--------------------

Consumed during 1985-86

Required for the year 1986-87.

11. Last licensing year in which newsprint was taken from the Office of RNI.

12. (a) Type of Machine (i.e. Rotary/Flatbed letter press)

- (b) Size of rolls/sheets required :

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement or facts herein are incorrect or false.

2. I/We declare that the newsprint, if allotted will be used in our press/premises/establishments at the above mentioned address.

3. I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the Import Trade Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to use any misuse of such goods will attract the provisions of Imports & Exports (Control) Act, 1947, as amended and orders issued thereunder.

4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import Policy/Hand Books of Import Export Procedures, 1985-88.

Signature

Name in Block letters

Designation

Address

PART II

INCOME TAX DECLARATION

(a) In case of persons not having taxable Income, I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income Tax including advance tax as the Income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable to tax.

(b) In case of persons having taxable Income

1. I/We have furnished to the Income-Tax Department the return(s) of income due from me/us till date.

2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the Competent Authority.

3. I/We have not been penalised*/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years.

I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in the case of Companies in which I/We am/are having substantial interest **or the firm or associations of persons in which I/We am/are Partner(s) or member(s) respectively.

OR

The above declaration is applicable in case of persons having substantial interest** in the applicant Company or members of the applicant association or Partners of the Applicant firm.

Place

Date

Signature

Address

Permanent A/C No.

Designation of the ITO

with whom assessed

Assessable

*If an appeal has been filed against the levy of penalty and the appeal is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal, such penalty need not be taken for the purpose of this declaration.

**The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40(A)(2) of the Income Tax Act, 1961

NP-2

**FORM OF PERFORMANCE PARTICULARS CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION ETC. FOR THE PERIOD
FROM 1-4-85 TO 31-3-86.**

1. Name of the Newspaper/Periodical :
 2. Place of Publication :
 3. Language :
 4. Periodicity During the month of

Apr. 85	May 85	June 85	July 85	Aug 85	Sept. 85	Oct. 85	Nov. 85	Dec. 85	Jan. 86	Feb. 86	March 86	Average for the year
------------	-----------	------------	------------	-----------	-------------	------------	------------	------------	------------	------------	-------------	----------------------------

1. Actual No. of publishing days month wise.
2. Average No. of copies printed per publishing day.
3. Average No. of copies sold per publishing day.
4. Average No. of copies distributed free per publishing day (including complimentary voucher, exchange bonus sample and office copies)
5. Average No. of unsold returns and other copies printed but not included in (3) & (4)
6. Average size of the newspaper/periodical (in sq. cm)
7. Average no. of pages per issue
8. Average No. of pages printed per publishing day.
9. Total consumption of newsprint during the year (in tonnes)
10. Total consumption of white printing paper during the year 1985-86 (in tonnes)
11. Consumption of newsprint obtained under the scheme of Export promotions (REP licences) and consumed during 1985-86.

Signature of the publisher.....

Name of the publisher.....

Date

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANTS

I/We have examined the books and account of M/s.....
 (Name, Language and periodicity of the paper published for the year 1985-86 and have obtained all the information and explanation required by us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days for the year 1985-86 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date.....

Signature.....

Stamp of the Chartered Accountant.

1. Name and signature of the person who has signed the certificate.....

2. Registration No.....

3. Address.....

Note :

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letterhead of a Chartered Accountant and should be duly countersigned by him.
2. All the averages have to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.
3. The figures to be given against (7) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (8) should be worked out like this : The number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing day. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly averages should be arrived at by dividing this total by the total number of publishing days in that month.

STATEMENT TO BE GIVEN BY THE PUBLISHERS OF NEWS DAILIES/PERIODICALS

1. Name of the Newspaper/Periodical :
 - (a) Name
 - (b) Language
 - (c) Periodicity
2. Date of filing the latest Declaration :
3. Proposed date of commencement of the Publication :
4. Average number of copies proposed to be printed :
 - (a) Number of Sale :
 - (b) Number of free distribution :
5. Place of printing and particulars of the Press :
 - (a) Particulars of the owner of the Press :

Name :

Address :
 - (b) Printing capacity :

Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine.
6. Whether bank guarantee has been executed in the specimen Form of the Scheduled Bank
7. If so, the name of the bank and value of the guarantee.
8. Whether newsprint is to be lifted through agent :
9. If so, the name of the agent :
10. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot, buffer/stock/high sea sales :
11. Name of the Editor :

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Place :

Date :

Signature

Name in Block letter

Designation

Residential Address